● **सुनो और दोहराओ :**

३. योग्य चुनाव

राजा मंगलसेन के मंत्री जगतराम बूढ़े हो चुके थे । उन्होंने राजा से स्वयं को सेवामुक्त करने की विनती की । राजा मंगलसेन ने कहा, ‘‘आप पहले अपने जैसे सेवाभावी, परोपकारी और ईमानदार मंत्री का चुनाव कर लीजिए, तभी आपको सेवामुक्त किया जा सकता है ।’’ जगतराम ने आदेश दिया, ‘‘राज्य में ढिंढोरा पिटवा दो कि राज्य के नए मंत्री का चयन अगले गुरुवार को किया जाएगा । इस पद के इच्छुक ग्यारह बजे राजदरबार में पहुँचें ।’’ हरकारे गाँव-गाँव ढिंढोरा पीटने लगे ।

चयनवाले दिन राजदरबार की ओर जाने वाले मार्ग पर सुबह से ही नवयुवकों की भीड़ लग गई थी । सैकड़ों की संख्या में युवक दरबार की ओर जा रहे थे । इसी रास्ते पर एक तरफ एक वृद्ध हताश-सा बैठा था । उसकी बैलगाड़ी का एक पहिया रास्ते के किनारे कीचड़ में फँस गया था । वृद्ध ने कई बार पहिया कीचड़ से निकालने की कोशिश की पर असफल रहा । मंत्री पद के अनेक उम्मीदवारों ने राजदरबार जाते समय यह दृश्य देखा पर किसी ने भी वृद्ध की सहायता नहीं की ।

❑ चित्र देखकर क्या हुआ होगा, विद्यार्थियों को बताने के लिए कहें । पूरी कहानी सुनाएँ और दोहरवाएँ । सुनिश्चित करें कि प्रत्येक विद्यार्थी ने कहानी को समझते हुए सुना है । उन्हें सत्य, बंधुता संबधी कहानी सुनने और सुनाने के लिए प्रेरित करें ।

उम्मीदवार युवकों में एक था कर्मवीर । कर्मवीर निर्धन परिवार का प्रतिभाशाली नवयुवक था । वह तेजी से राजदरबार की ओर जा रहा था । उसी समय बैलगाड़ीवाला वृद्‌ध एक बार फिर पहिया कीचड़ से बाहर खींचने का प्रयास कर रहा था । यह दृश्य देखकर दरबार पहुँचने की चिंता न करते हुए कर्मवीर सीधे कीचड़ में उतरा । जोर लगाकर उसने बैलगाड़ी का पहिया कीचड़ से बाहर निकाला । वृद्‌ध ने उसे ढेरों आशीर्वाद दिए फिर इनाम में कुछ रुपये देने चाहे पर कर्मवीर ने विनम्रता से मना कर दिया ।

देर हो जाने की आशंका से भागते-दौड़ते कर्मवीर दरबार पहुँचा । वह हाँफ रहा था । उसके कपड़े कीचड़ से सने थे । सारे उम्मीदवार उसे देखकर हँसने लगे । तभी बैलगाड़ीवाला वृद्‌ध भी वहाँ पहुँचा । वह वृद्‌ध कोई और नहीं बल्कि स्वयं मंत्री जगतराम थे ।

उन्होंने सारी घटना राजा को सुनाई फिर जगतराम ने राजा से कहा, ''महाराज ! कर्मवीर में वे सारे गुण हैं जो राज्य के मंत्री के लिए आवश्यक हैं ।'' सारी बातें जानकर राजा मंगलसेन बहुत प्रसन्न हुए । उन्होंने कहा, ''जो सामान्य आदमी की पीड़ा से दुखी होता है, उसे दूर करने का प्रयास करता है, वही राज्य के ऊँचे पद पर बैठने का अधिकारी होता है । जगतराम जी ने योग्य व्यक्ति का चुनाव किया है । आज से कर्मवीर राज्य के नए मंत्री होंगे ।''

– सुधा शर्मा

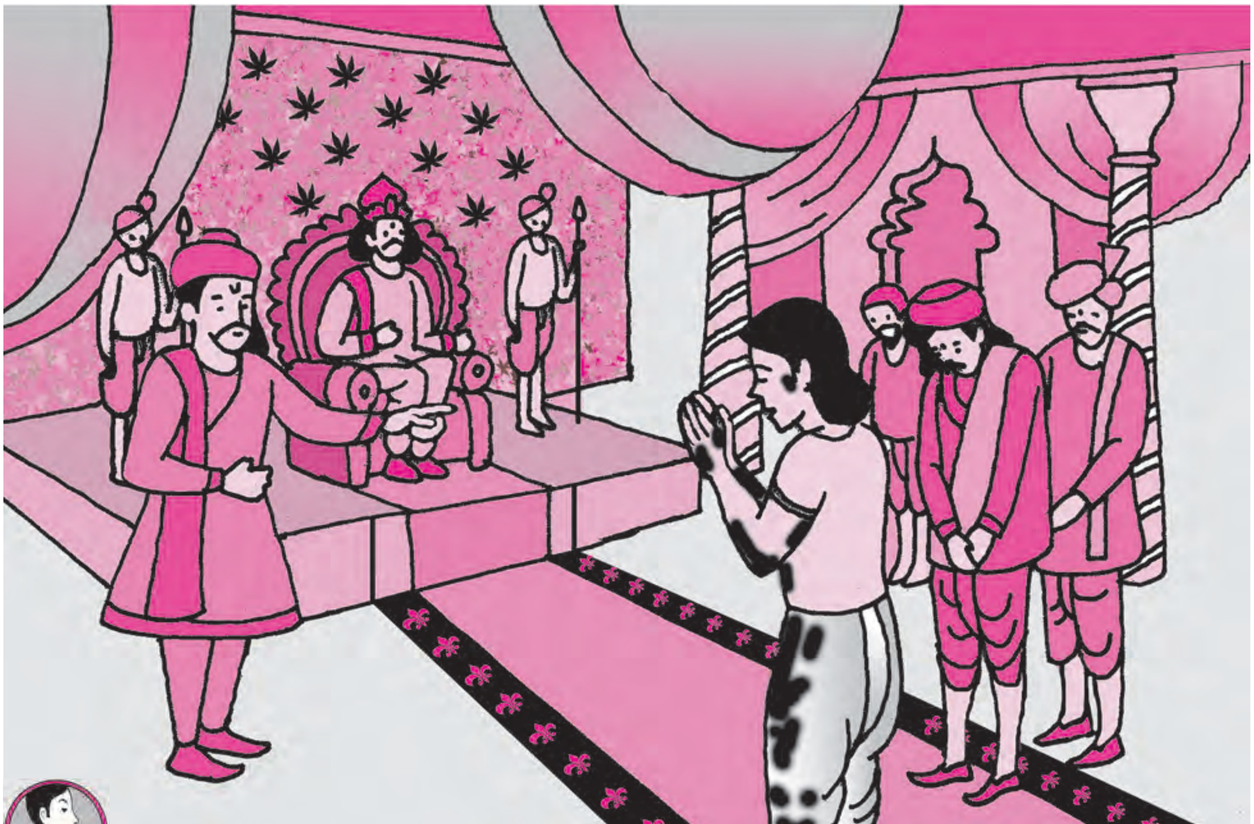

इस कहानी से क्या सीख मिलती है, बताओ ।

❑ विद्‌यार्थियों से कहानी का मौन और मुखर वाचन करवाएँ । आवश्यकतानुसार उनके उच्चारण में सुधार करें । कहानी में आए संवादों को साभिनय पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें । परोपकार संबंधी अन्य कथाओं/सत्य घटनाओं पर चर्चा करें ।